BPSC

Vol.- 1

सामान्य अध्ययन /General Studies

Paper - 2, Section-II

Class Revision Notes

(हिन्दी माध्यम)

भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत का भूगोल (सभी पहलू बिहार के सन्दर्भ में)

Auditor / CDPO / 67th BPSC / AAO & 68th BPSC मुख्य परीक्षा के लिए उपयोगी

पटना केंद्र (बिहार)
Bihar Naman GS
(A unit of Bihar Naman Publishing House)
3rd Floor, A. K. Pandey Building,
Near Rabindra Balika Inter College,
Road No. - 2, Rajendra Nagar,
Patna - 800016, Bihar
www.biharnaman.in biharnaman@gmail.com
- 8368040065 - 9355167891
नोट - इस केंद्र पर 20-06-2022 से OFFLINE कक्षाएं एवं अन्य सेवाएं उपलब्ध होंगी

Bihar Naman GS
New Delhi- 110084
www.biharnaman.in
- 8368040065 - 9355167891

विषय सूची

Page No. - 1 : बिहार / भारत के विकास में राज्य के मानव संसाधन की भूमिका

Page No. - 3 : आर्थिक नियोजन

Page No. - 4 : विकेंद्रीकृत नियोजन
नियोजन के विषय (बिहार में)

Page No. - 6 : बिहार में औद्योगिक विकास की संभावना

Page No. - 9 : MSME

Page No. - 13 : कृषिगत समस्याएँ और समाधान

Page No. - 18 : कृषि विपणन

Page No. - 21 : बिहार का पिछड़ापन : कारण, निदान और सरकारी प्रयास

To Be Continue....

General Studies - II

Topic :- बिहार/भारत के विकास में राज्य के मानव संसाधन की भूमिका
* *

* मानव संसाधन
- अकुशल
- अर्द्ध-कुशल
- कुशल
- उच्च कुशल

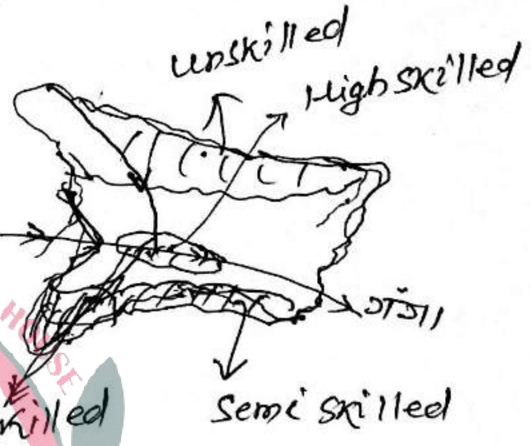

NSSO के sept 2021 के आँकड़े के अनुसार
↳ unskilled & semi skilled में कुल श्रमिकों का 79% दूसरे राज्य चले जाते हैं।

चूँकि बिहार cultivated Area है अतः यहाँ unskilled labour अधिक होंगे ; पटना में High skilled, दक्षिण बिहार में semiskilled & skilled labour ज्यादा होंगे।

बाहर जाने वालों का क्रम :-
↳ अररिया > गोपाल > मधुबनी > पूर्णिया > रोहतास > गया

राज्यों में जाने वाले
↳ MH > DELHI > GUJ > Haryana

Skill India Report 2021 → wheebox द्वारा जारी
↳ A/C - बाहर जाने वालों में अधिकतर labour के रूप में कार्यरत

A/c to Government
↳ कार्यशील जनसंख्या (20-59 साल) में जिलों का क्रम :-
- पटना में → 36.3 लाख
- West champaran - 28.9 लाख
- [Muzaffarpur] - 28.23 लाख ← Economic capital भी कहते हैं।
- Gaya - 24.95 lac

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

2011 के जनगणना के A/C -

↳ कार्यशील जनसंख्या कुल का 43%

* Development (विकास)

- सामाजिक विकास
- सांस्कृतिक विकास
- राजनैतिक विकास
- आर्थिक विकास

इसको Details में चर्चा करना है, Answer में।

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

मानव संसाधन के उपयोग

- मानव पूंजी में निवेश
  - Skilled करेंगे
    - Training द्वारा
    - Technique द्वारा
- उत्पादक रोजगार के अवसरों में वृद्धि
  - Agri. Sector
    - → Food Processing factory
    - → Agri & Allied factory
  - Tourism
    1. Cultural Tourism
    2. Health Tourism
    3. Adventure Tourism
    4. Eco-Tourism
    5. Wildlife Tourism
  - Mining (खनन)
    - → रेत खनन
    - → पाइराइट

Note:- इसको Map में दिखाना है

प्रश्न :- मानव पूंजी में निवेश और उत्पादक रोजगार के अवसर में वृद्धि के साथ-साथ मानव संसाधन को कुशल बनाने की नीति बिहार के विकास को गति दे सकता है। विश्लेषण करें।

Key points

आर्थिक नियोजन

→ भविष्य के लक्ष्य को ध्यान में रखकर आर्थिक नीतियाँ व कार्यक्रम बनाना ही, आर्थिक नियोजन कहलाता है।

→ प्राथमिकता के आधार पर कार्यक्रम तय करना

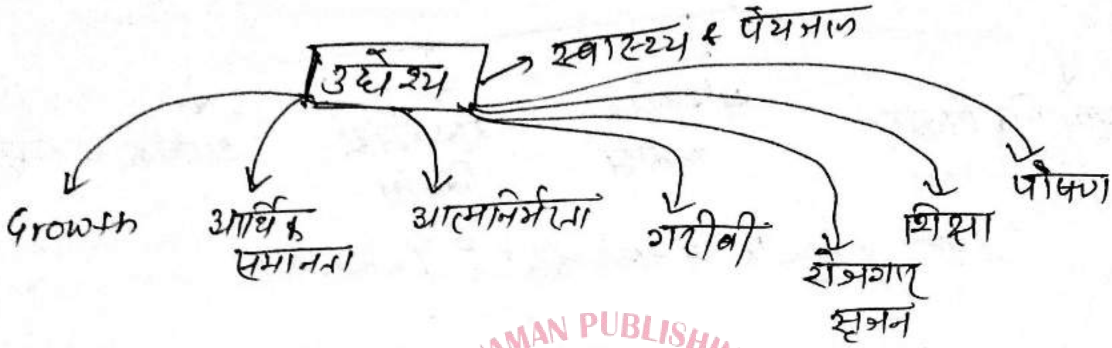

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

Planning - नियोजन

नियोजन	योजना
① स्थानीय स्तर पर होता है	① व्यापक पैमाने पर होता है
② short term होता है।	② Long term के लिए होता है
③ Targeted (एक या दो लक्ष्य)	③ Multiple Aspects

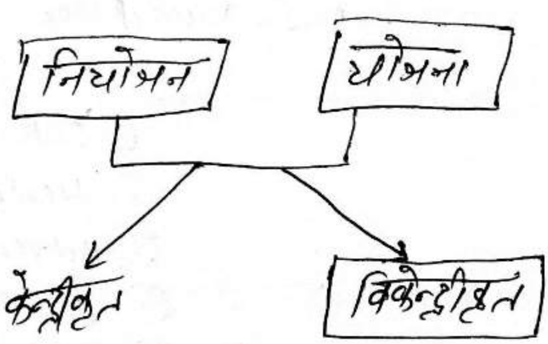

विकेन्द्रीकृत योजना या नियोजन

↳ Integrated Rural Development programme — 1980.

विकेन्द्रीकृत योजना → (गाँव) → पंचायत → (ब्लॉक) → जिला → राज्य → देश

गाँव ↓ 1-4th plan year.

ब्लॉक ↓ 5th five year plan

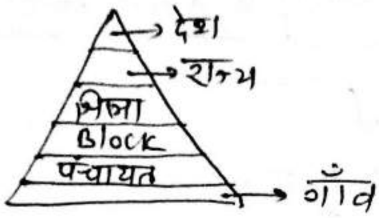

* किसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए सर्वोत्तम कार्यपथ का चुनाव करना ही नियोजन कहलाता है।

→ यह हमें बताता है कि क्या करना है चाहिए।

Method of Input of planning

1. लक्ष्य निर्धारण
2. पूर्वानुमान
3. सीमा निर्धारण
4. वैकल्पिक कार्यविधि का विश्लेषण
5. श्रेष्ठतम विकल्प
6. योजना
7. Implementation

नियोजन के विषय (बिहार में)

(i) कृषि एवं सहवर्ती क्षेत्र.

↳ BAMETI → Bihar Agricultural Management & Extension training Inst.

→ Bihar state seed Corporation

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

② लघु सिंचाई → हर खेत पानी, हर खेत सिंचाई
③ जल संसाधन → नदी जोड़ो परियोजना – कोसी-मेची link
④ पशु पालन एवं मुर्गीपालन
⑤ लघु उद्योग
⑥ पूंजी निर्माण

नियोजन के स्तर or Multilevel planning

- स्थानीय स्तर (Local Level)
  - ग्राम स्तर
  - पंचायत स्तर
  - → सर्वाधिक लाभकारी
- मध्यम स्तर
  - ब्लॉक स्तर
  - जिला स्तर
  - → राज्य सरकार के अधीन
- क्षेत्रीय स्तर

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

प्रश्न :- बिहार के विकास में स्थानीय स्तर के नियोजन की भूमिका समझाएं। इस संदर्भ में नीतीश सरकार के दशकीय उपलब्धि के बारे में बताएं।

भूमिका – Definition नियोजन

Main Body – स्थानीय स्तर का नियोजन
Bottom to top
गाँव एवं पंचायत स्तर का नियोजन
DBT

Conclu.

बिहार में औद्योगिक विकास की संभावनाएँ

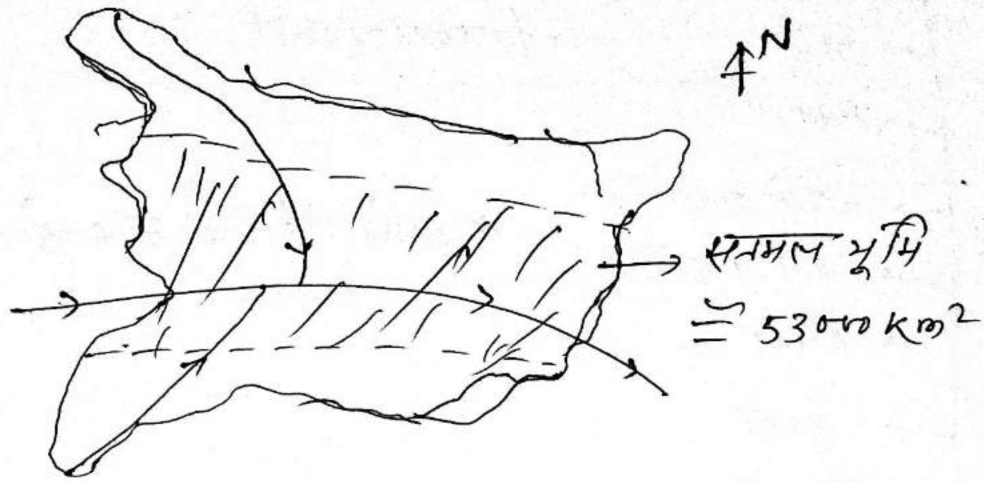

उद्योग के लिए जरूरी

- → भूमि ≃ 53000 km² समतल भूमि
- → सस्ता श्रम → उत्तरी बिहार
- → कुशल श्रमिक - पटना एवं दक्षिण बिहार
- → बिजली
- → सुलभ परिवहन → सड़कों का जाल, एवं गंगा, ट्रेन
- → खुला बाजार
- → कच्चे माल की उपलब्धता
- → water → भूमिगत जल, → सतही जल

1904 - मढ़ौरा चीनी मिल
1911 - रीगा (सीतामढ़ी) → चीनी, → चावल

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

बिहार के में निम्न प्रकार के उद्योग की संभावनाएँ

- कृषि आधारित
- पर्यटन उद्योग
- भारी उद्योग
- वन आधारित उद्योग

कृषि आधारित उद्योग

- चावल
- गेहूँ
- मखाना

(चावल, गेहूँ, मखाना) → processing unit

- चीनी मिल
- कपड़ा उद्योग
- सिल्क
- दुग्ध
- तेल शोधन
- खाद कारखाना

* इससे संबंधित क्षेत्र को Map में दिखाना है।

* पर्यटन उद्योग

- रामायण सर्किट
- बौद्ध सर्किट
- सूफी
- गाँधी
- सिख
- शिवशक्ति

इसको Details में लिखना है।

Heavy Industry

- रेल इंजन मधेपुरा
- The Barauni ~~Thermal~~ तेलशोधन
- Engineering.
- Badh thermal
- लौह कारखाना
- खनन उद्योग

वन आधारित उद्योग

- तेंदुपत्ता (हस्तास)
- बीड़ी उद्योग
- बाँस उद्योग

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

3

उद्योगों को लगाने के सरकारी प्रयास

① BIADA

↳ Bihar Industrial Area Development Authority

→ उद्योगों के लिए जमीन उपलब्ध करवाती है

पटना, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा में

→ उद्योग मित्र की बहाली

→ एकल खिड़की

→ उद्योग गाँव बसाने की योजना

→ बिहार औद्योगिक प्रोत्साहन नीति - 2016

↓

उसकी भी चर्चा करना है

प्रश्न :- बिहार में औद्योगिक विकास के संभावनाओं की क्षेत्रवार जाँच कीजिए। इसके लिए आवश्यक दशाओं की चर्चा करते हुए उन सरकारी प्रयासों को रेखांकित करते हुए कीजिए जो बिहार में औद्योगिक विकास के लिए किए जा रहे हैं।

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

Class-4 MSME - Micro, Small & Medium Enterprises

COVID-19 के समय बिहार/भारत में लघु एवं कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन एवं सरकार के प्रयास :-

लघु एवं कुटीर उद्योग
→ COVID के समय कुटीर उद्योग का growth Rate high रहा

"भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है" (MSME)
→ Total GDP में 29% योगदान

Economic Survey (GOI (2019-20))
→ लॉकडाउन के दौरान - 25 लाख श्रमिक बिहार लौटे

इसलिए स्वरोजगार में MSME की अहम भूमिका हो सकती है।

सूक्ष्म उद्योग - सलाना Turnover < 5 करोड़
लघु उद्योग - सलाना Turnover 5-75 करोड़
मध्यम उद्योग - सलाना Turnover 75-250 करोड़

लघु एवं कुटीर उद्योग का महत्व

1. आय का समान वितरण
2. परंपरागत तकनीकों और कलाओं का संरक्षण
3. निर्यात को बढ़ावा
4. अकुशल और अर्धकुशल दोनों को रोजगार
5. तकनीक की कम आवश्यकता
6. औद्योगिक विवाद न के बराबर

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

लघु एवं कुटीर उद्योग की समस्याएँ

1. वित्त की समस्या
2. स्थानीय कच्चे माल की आवश्यकता
3. तकनीक की ~~कम आवश्यकता~~ समस्या
4. विपणन की समस्या
5. बड़े स्तर के उद्योगों से प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाना
6. प्रोत्साहन में कमी

प्रश्न :- कुटीर एवं लघु उद्योग को परिभाषित करते हुए इसके महत्व तथा समस्या को बताएँ।

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

class-3

MSME को बढ़ावा के सरकारी प्रयास

India स्तर पर | बिहार स्तर पर

केन्द्र स्तर पर :-

→ 3 लाख करोड़ के collateral loan की व्यवस्था

→ 10 हजार करोड़ के Fund of fund की व्यवस्था

→ MSME के performance तथा जाँच के लिए Data system तैयार किया जा रहा है

→ My MSME App launch

→ आत्मनिर्भर 3.0 के तहत 20,000 करोड़ का Financial Assistance

. वर्तमान की योजनाओं का जिक्र करना है

SIDBI

- SHWAS loan scheme
  - SIDBI Assistant to health care Sector in war against second wave of Covid-19
- AROG loan scheme

AROG → SIDBI Assistance to MSMEs for Recovery & organic growth ~~due~~ during Covid-19 Pandemic

MSMEs in Health sector

- Ambulance - 50% subsidy
- कच्चा माल उपलब्ध करवा रही है (GoI)
- Digital Advertisment

Effort of Bihar government for MSME Development

- Milk
- Fish
- Agriculture
- Poltry
- Etc.

Milk

- COMFED - 1983
  - सहकारी संगठन, दुग्ध संबंधी क्रियाकलापों के लिए उत्तरदायी
- Milk Bank की स्थापना
  - गया - 2 lac Ltr.
  - Hajipur - 4 lac Ltr
  - बेगुसराय - 5 lac Ltr.
  - Samastipur - 5 lac Ltr.

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

Fish

→ तालाबों का जीर्णोद्धार
→ मत्स्य विकास सहकारी संगठन द्वारा
→ मत्स्य विकास पदाधिकारी की नियुक्ति
→ मत्स्य प्रजनन बैंक - सीतामढ़ी & Kishanpur etc.

Agricultural

→ खादी उद्योग को बढ़ावा
→ खादी मॉल के खुलने से कुटीर एवं लघु उद्योग विकसित होंगे
→
- Purnea
- Muzz
- Gaya
- DBG
- Patna

} इसको Map में show करना है

→ हस्तकरघा Expo - फ्रेजर रोड (पटना में)

इसके अलावे कृषि मखाना प्रसंस्करण, चावल मिल, आटा मिल etc. ~~को~~ ~~मशीनीकरण~~ है भी लिखना है

COVID-19 के समय बिहार सरकार के कार्य : MSME के लिए

(i) संयुक्त उद्यम नीति 2020

→ वित्त मुहैया
→ Training/प्रशिक्षण
→ 5 सालों तक उद्योग लगाने में Tax छूट
→ भूमि की लीज पर दी जायेगी
→ सभी 38 Districts में परामर्श केन्द्र

→ फूलों की खेती को बढ़ावा
→ मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना
→ पशुधन मास्टर प्लान
→ मनरेगा etc.

प्रश्न :- बिहार / भारत के विकास में लघु एवं कुटीर उद्योग की महत्ता का मूल्यांकन करें। COVID-19 के समय बेरोजगार हुए जनसंख्या को किस प्रकार प्रोत्साहित किया गया है। बताइए।

Class-6

कृषिगत समस्याएँ और समाधान

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

कृषि → Process
कृषिगत - Activity
└→ संबंधित

census-2011
└→ 88.7% population lived in village
└→ ग्रामीण आबादी का 75% कृषि कार्यों में संलग्न है।

ES 2020-21 के A/c → बिहार के GDP में कृषि का योगदान - 18.7%
→ कृषि का रूपांतरण करेंगे
→ 2030 तक भुख और गरीबी हटाना है।
→ बिहार

Problems of Agriculture sector in Bihar

- उत्तर बिहार में कृषिगत समस्याएँ
- दक्षिण बिहार की समस्याएँ
- सामान्य समस्याएँ / Common problems

सामान्य समस्याएँ

- प्राकृतिक कारण
  - मृदा अपरदन
  - प्राकृतिक आपदा
- आर्थिक समस्या
  - ऋण समस्या
  - गरीबी
  - उत्पादन लागत अधिक
- सामाजिक समस्या
  - जनसंख्या का दबाव
  - कृषकों के प्रति तिरस्कार
- संरचनात्मक समस्याएँ
  - भूमि की दोषपूर्ण वितरण
  - खेतों का आकार छोटा

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

उत्तर बिहार में कृषिगत समस्या

- जलजमाव से भूमि उत्पादकता प्रभावित
- बाढ़
  - 15 जिले अत्यधिक बाढ़
  - 7 District – Low flood
  - 7 Least flood
- जीवननिर्वाह कृषि पर बल

दक्षिण बिहार की समस्याएँ

- उपजाऊ भूमि का अभाव
- समतल भूमि का अभाव
- सिंचाई सुविधा का अभाव
- पराली जलाना

class →

समाधान के प्रयास

- सामान्य समाधान
- राज्यस्तरीय समाधान
- केन्द्रस्तरीय समाधान

सामान्य समाधान

1. पशुधन तथा मत्स्य क्षेत्र का विकास
2. कृषि में अनुसंधान एवं विकास
3. ICAR ने climate smart village तैयार करने का प्रयास
   - पूर्णिया के 23 village
   - कटिहार के 22 village
4. कृषि क्षेत्र से जुड़े आँकड़े का एकीकरण
5. कृषि योजनाओं का ईमानदारीपूर्ण क्रियान्वयन
6. कृषि यंत्र बैंक की स्थापना पर 80% अनुदान
7. water harvesting
8. कृषि विपणन की उचित व्यवस्था
9. मृदा जाँच प्रयोगशाला की स्थापना – 14 जिले में
10. कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

राज्यस्तरीय समाधान

- SRI Method
- Biofloc-Fish farming
- अनुवांशिक शुद्धता जाँच केन्द्र मुंगेर
- नीरा को प्रोत्साहन
- मुख्यमंत्री बागवानी मिशन - 23 जिलों को शामिल
- किसान विज्ञान रथ
- किसान चौपाल
- बिहटा में 10 हजार करोड़ अर्न चावल भंडारण गृह
- बिहटा में seed house
- जलवायु अनुकूल कृषि प्रोग्राम (Map में दर्शाया जाता है)

किशनगंज - tea

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

केन्द्रीयस्तर के प्रयास

Int'l | National

- 7 textile park has started
- Megafood park
- Agriculture loan - 16.5 लाख करोड़
- operation green
- Catch in Rain अभियान
- Neem Coated urea
- No Tax on Agriculture

कृषि रोडमैप-3

- → organic farming
- → हर थाली में एक बिहारी व्यंजन
- → Agrobased Industry
- → Agriculture कॉरिडोर
- → अगली हरित क्रांति का जन्म स्थान

इत्यादि

प्रश्न :- "कृषि का बिहार में औद्योगिक विकास को दिशा प्रदान करती है।" कृषि रोडमैप-3 के संदर्भ में उपरोक्त कथन की व्याख्या करें।

कृषि विपणन (Agriculture Marketing)

कृषि विपणन :- कृषि विपणन से तात्पर्य उन सभी व्यापारिक क्रियाओं को करने से जिनके द्वारा कृषि वस्तुओं और सेवाओं को प्रारंभिक कृषि उत्पादन (खेत) से अंतिम उपभोक्ता (थाली) तक हो।

अच्छे कृषिविपणन की विशेषताएँ

→ मध्यस्थों की न्युनतम संख्या।

→ उपभोक्ता और उत्पादक के हितों को सुरक्षा प्राप्त हो।

→ कृषि उत्पाद को संग्रह करने के लिए भण्डारगृहों का उचित प्रबन्ध हो।

→ उचित एवं सस्ती परिवहन व्यवस्था होना चाहिए ताकि किसान नियमित मण्डियों या शहरी मण्डियों में अपना उत्पाद बेच सके।

→ किसानों को अपनी उपज को विलम्ब से बेचने की क्षमता [illegible] की जानी चाहिए ताकि वे आढ़तियों, दलालों तथा बिचौलियों के चक्र में न फँसे।

→ किसानों को जागरूक करना एवं [illegible] भाव का प्रचार प्रसार [illegible]

→ विपणन का कार्य ऐसी संस्थाओं एवं एजेंसियों को सौंप दिया जाना चाहिए, जो किसानों को उचित मूल्य दिला सके।

कृषि विपणन के उद्देश्य :-

- किसानों के लिए उद्देश्य
- उपभोक्ता का विपणन उद्देश्य
- सरकार का उद्देश्य
- मध्यस्थों का उद्देश्य

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

Proper way
B
ESSAI
What is the

कृषि विपणन की समस्या :-

→ दोषपूर्ण संग्रहण व्यवस्था
→ प्रमाणीकरण का अभाव
→ परिवहन व्यवस्था
→ मध्यस्थों की ~~बड़ी समस्या~~ अधिक संख्या
→ मण्डियों में कपट
→ मूल्य जानकारी का अभाव
→ विपणन हेतु वित्त का अभाव
→ विवशतापुर्ण बिक्री
→ ③

कृषि विपणन का महत्व :- (आर्थिक विकास में विपणन का महत्व)

→ आर्थिक विकास के लिए पूँजी
→ देश में खाद्यान्न पूर्ति में सहायक
→ उद्योगों के लिए कच्चे माल की पूर्ति में सहायक
→ जीवन-स्तर सुधारने में सहायक
→ योजनागत विकास में सहायक

बिहार सरकार द्वारा विपणन के उपाय :-

→ भंडार गृह की स्थापना
→ 1800 किसान हाट
→ बिहार राज्य बीज प्रमाणन एजेंसी
→ प्रखंड स्तर पर ई-किसान भवन
→ पंचायत स्तर पर किसान सलाहकार की नियुक्ति
→ APMC एक्ट 2007 में समाप्त किया।
Agricultural Produce Marketing committee

→ बिहार में बाजार समिति की कुल सं० 95 है।

→ बिहार सरकार ने 800 Ltr का नीरा storage centre खोला है।

→ इजराइल और नीदरलैंड की तकनीक से आरा में शुरू हुई जैविक सब्जी की खेती

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

भारत सरकार के विपणन के प्रयास

→ ग्रामीण गोदाम योजना 2001 में शुरू

→ E-NAM - Electronic-National Agricultural market.

→ ग्रेडिंग system

→ केन्द्रीय गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला

→ MSP - Minimum support price.

प्रश्न - कृषि विपणन व्यवस्थाओं की विशेषताओं और दोषों को बताइए। कृषि विपणन व्यवस्था में सुधार के लिए बिहार सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को समझाइए

25%

कारण	निदान	
→ जनसंख्या → कृषि पर निर्भरता → प्राकृतिक आपदा → अशिक्षा → आधुनिक सिंचाई का अभाव → औद्योगिक पिछड़ापन → जीवननिर्वाह कृषि → शहरीकरण का अभाव → Land locked state → खनिज का अभाव	सात निश्चय योजना → ग्राम गरीबी बिहार सरकार के अन्य	आजीविका मिशन प्रजनन दर - 6.9 → 3.6

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

बिहार का पिछड़ापन, कारण, निदान, सरकारी प्रयास

कारण
- प्राकृतिक कारण
- मानवीय कारक

इस पर लिखना है

समस्या
- आर्थिक पिछड़ापन
  - निम्न प्रतिव्यक्ति आय
  - सरकार पर उधारी
- सामाजिक
  - जाति व्यवस्था
  - पुआल
- शैक्षणिक
- राजनैतिक
- संस्थागत पिछड़ापन

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

Geographical Problem in Bihar

→ Land form of Bihar is V-shaped
→ बिहार में समुद्री सीमा का अभाव
→ बहुमूल्य खनिजों का अभाव
→ बाढ़ प्रबंधन की अभाव
→ विभिन्न प्रकार के आपदाओं के लिए सुभेद्य

Institutional problem in Bihar

→ दोषपूर्ण कृषि पद्धति

→ खनिज आधारित उद्योगों का अभाव

→ बुनियादी सुविधा का अभाव

निदान के सरकारी प्रयास

* BSFRBM-2006
  ↳ Bihar State Fiscal Responsibility & Budget Mang. 2006

BIHAR NAMAN PUBLISHING HOUSE

* FISEP
  ↳ Financial Inclusion and Self Employment Programme

प्रश्न :- बिहार के पिछड़ेपन के लिए आप किन कारकों को जिम्मेदार मानते हैं। पिछड़ेपन के इस अभिशाप को दूर करने के लिए आप किन-किन उपायों का सुझाव देंगे।